विद्याभवन,बालिका विद्यापीठ , लक्खीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग-दशम् , विषय-हिन्दी 🍃🍃.

दिनांक- २७/६/२०

❤️ अध्ययन-सामग्री. ❤️

किसी ने सच ही कहा है कुछ ऐसा करो कि लोग लिखें या कुछ ऐसा लिख जाओ कि लोग करें ।.

आज एक ऐसे साहित्यकार का जन्मदिन है ; जिन्होंने जो लिखा ,लोगों ने सिर्फ पढ़ा ही नहीं बल्कि उसे कार्य-रूप में अंजाम दिया ।

बच्चों , आज पठन-पाठन के अंतर्गत अट नहीं रही है कविता के प्रश्नाभ्यास का हल करेंगे ----.

प्रश्न-अभ्यास :

- ***कवि के प्रयास करने पर भी फागुन की सुंदरता से आँखें क्यों नहीं हट रही है ?***
- ***उत्साह और अट ही नहीं रही है कविता के आधार पर निराला के प्रकृति चित्रण की विशेषता लिखें ।***
- ***अट नहीं रही है कविता में कवि ने प्रकृति के व्यापक सौंदर्य का वर्णन किन किन रूपों में किया है ?***
- ***अट नहीं रही है कविता में कवि किस का वर्णन कर रहे हैं ?***

- ***अट नहीं रही है का प्रयोग इस कविता में किसके लिए और क्यों किया गया है ?***
- ***कवि को फागुन के महीने में सांस लेते ही प्रकृति में क्या परिवर्तन दिखाई देता है?***
- ***प्रकृति में परिवर्तन का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?***
- ***कवि ने कविता में फागुन के माध्यम से हृदय के अंदर उठ रही किस प्रकार की भावनाओं का चित्रण किया है?***
- ***कविता को याद करके उसका ऑडियो क्लिप 2 दिन के अंदर भेजें।.***

सौंदर्य -बोध:.

- ***इस कविता की भाषा संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली है ।***

- ***छंद की दृष्टि से यह कविता छंद मुक्त अर्थात मुक्तक है ।***
- ***कवि ने यहां फागुन मास में प्रकृति की सुंदरता का वर्णन किया है ।***
- ***यह रचना आधुनिक काल की है और इस रचना में अनुप्रास तथा पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है ।***
- ***इस रचना में निहित रस श्रृंगार है ।***

महान उपन्यासकार, कवि, पत्रकार, देश गीत 'वन्देमातरम' के रचयिता और बंग साहित्य के भगीरथ श्री बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय को उनके जन्मदिवस पर सादर प्रणाम।💐🙏